Reading for Children

AGA KHAN FOUNDATION

THE MARSHALL FOUNDATION

PREFACE

Reading from early age is fundamental preparation to a student's later progress through the formal education process. Yet little attention has been given to ensuring that all children become successful readers, including those who join school from homes with no reading materials and a mother tongue different to the language of instruction in school.

The Aga Khan Foundation is undertaking work within the formal education system which specifically addresses the teaching of reading, and works with families and communities to ensure that children have more access to books and enjoyable reading opportunities. There is increasing awareness among programme developers that what happens within the home is by far the most significant influence for young children. Families are the primary agents in ensuring young children's wellbeing and working with families is now understood as crucial to the success of early childhood development and education efforts. Research has demonstrated the many benefits of parents reading with their children from an early age. Being read to is one of the strongest predictors of academic success.

Reading for Children is a simple yet powerful concept, designed in order to meet the needs of children and families who otherwise may have little or no opportunity to engage in reading.

Objectives of Reading for Children:

1. Provide opportunities for young children to be introduced to illustrated books, develop their language abilities and have enjoyable early learning experiences
2. Increase parents' or caregivers' sense of having an important role to play and their confidence in their ability to provide support for their children's development and learning
3. Sustain and further develop literacy skills in reading and writing among older siblings and adults in families with limited literacy skills or opportunities

Key components of the Reading for Children programme are:

1. Mini-libraries - to provide access to simple, colourful illustrated storybooks to read to young children through establishing libraries (which can sometimes operate out of a tin trunk or wooden box) and enabling parents/siblings to borrow.
2. Workshops for parents and other family members - to build their skills and confidence in interacting with their children, telling stories and making reading with their children an enjoyable experience.

In India, the Reading for Children Programme is implemented in Gujarat and Bihar by Aga Khan Foundation, India and its partners - Aga Khan Rural Support Programme, India and Aga Khan Education Services, India - with support from the Marshall Foundation.

This document aims to communicate the Reading for Children concept to a wider group of parents or caregivers, NGOs, programme designers and implementers as a replicable model for building children's interest in reading, raising their aptitudes and strengthening family bonds.

भूमिका

छोटी उम्र से ही पढ़ने की आदत बच्चों के सीखने और विकसित होने की प्रक्रिया में एक अहम भूमिका अदा करती है। यह बात अब विभिन्न अध्ययनों एवं अनुभवों के आधार पर पूरे विश्व में साबित तथा स्थापित हो चुकी है। अत्यन्त महत्वपूर्ण होने के बावजूद सभी बच्चों को आत्मनिर्भर तथा सफल पाठक बनाने की दिशा में अब तक पर्याप्त प्रयास नहीं किये गये है। परिणामस्वरूप कई बच्चे इस अमूल्य कौशल को पाने से चूक जाते हैं। इन बच्चों में मुख्यतः वंचित तबकों के वे बच्चे होते हैं जिन्हें अपने घर में छपी हुई सामग्री जैसे अखबार, किताब, पोस्टर आदि के अभाव के साथ –साथ विद्यालय में एक ऐसी भाषा के साथ जूझना पड़ता है जो उनकी अपनी मातृभाषा नहीं है।

रीडिंग फ़ॉर चिलड्रेन आगा खान फाउंडेशन का एक कार्यक्रम है जो बच्चों के जीवन में पढ़ना सीखने के महत्व को समझते हुए इस दिशा में समुदाय के साथ काम कर रहा है। औपचारिक शिक्षा व्यवस्था के साथ बच्चों को पढ़ना सिखाने से संबंधित प्रयास किये जा रहे हैं। इसका उद्देश्य है कि विद्यालय तथा अन्य शिक्षण संस्थाओं में बच्चों के लिए पढ़ना सीखना एक रूखा और नीरस अनुभव ना होकर एक आनन्दायी और सार्थक प्रक्रिया बन सके। परिवारों और समुदायों के स्तर पर बच्चों को किताबें तथा आनंदायी पठन सामग्री घर पर भी उपलब्ध कराने हेतु प्रयास किया जा रहा हैं क्योंकि परिवार ही बच्चे की पहली और सत्त रूप से मौजूद रहने वाली पाठशाला है। साथ ही अब यह कई अनुसंधानों द्वारा साबित हो चुका है कि बच्चों के साथ यदि परिवार के सदस्य गुणात्मक समय बिताते है, जैसे उनके साथ पढ़ना, उन्हें कहानी सुनाना आदि, तो बच्चों के सर्वांगिण विकास पर और विशेष रूप से उनके मानसिक, भावनात्मक और भाषाई विकास पर सकारात्मक प्रभाव होता है। इसलिए अब ज्यादा से ज्यादा कार्यक्रमों के रचनाकार भी परिवारों और समुदायों के साथ काम करने को किसी भी पूर्व प्राथमिक अवस्था के बच्चों के विकास के लिए बनाए गए कार्यक्रम का अभिन्न हिस्सा मानते है। आगा खान फाउंडेशन भी इससे अछूता नहीं है। छोटी आयु में ही बच्चों को कहानी पढ़ कर सुनाना, उनकी औपचारिक शिक्षा में सफलता की ओर सबसे मज़बूत कदम है।

रीडिंग फ़ॉर चिलड्रेन इसी क्रम में एक सरल और प्रभावशाली विचार है। इसकी परिकल्पना उन बच्चों और परिवारों की आवश्यकताओं को पूरी करने के लिए की गई है, जो आमतौर पर पढ़ने–पढ़ाने के बहुमूल्य अवसरों से वंचित रह जाते है।

रीडिंग फ़ॉर चिलड्रेन के उद्देश्य :–

1. छोटे बच्चों को पढ़ने के लिए तस्वीरों वाली पुस्तकों से अवगत कराना, उनकी भाषा की क्षमताओं को विकसित करना, तथा पढ़ने को सीखने का एक मज़ेदार अनुभव बनाना।
2. माता–पिता एवं बच्चों की देखभाल करने वाले घर के अन्य सदस्यों को बच्चों के विकास एवं सीखने की प्रक्रिया में उनकी सक्रिय भूमिका के प्रति सजग करना एवं इस भूमिका को सफल रूप से निभा पाने के लिए उनके आत्मविश्वास एवं क्षमताओं में वृद्धि करना।
3. जिन परिवारों में पढ़ने लिखने की क्षमता और अवसर सीमित हैं, उन परिवारों के व्यस्कों एवं बड़े भाई–बहनों की पढ़ने–लिखने की क्षमताओं को बढ़ावा देना।

रीडिंग फ़ॉर चिलड्रेन कार्यक्रम के मुख्य हिस्से :–

1. **लघु पुस्तकालयः**– यह एक अनौपचारिक, बच्चों के अनुरूप बनाया गया छोटा सा पुस्तकालय है जो कि कभी–कभी एक टीन या लकड़ी के डिब्बे के अन्दर से भी चल सकता है। पुस्तकालयों की स्थापना कर सरल, रंगबिरंगी, चित्रों वाली कहानियों की किताबों तक माता–पिता, बड़े भाई–बहनों या परिवार के अन्य सदस्यों की पहुँच को आसान करना हैं। बच्चे एवं परिवार के सदस्य यहां से किताबें पढ़ने के लिए ले जा सकते हैं।
2. **अभिभावकों एवं परिवार के अन्य सदस्यों के लिए कार्यशालाएँ**:– यह कार्यशालाएँ परिवार के विभिन्न सदस्यों के साथ की जाती है। इनमें बच्चों को कहानियां सुनाने, बच्चों के साथ पढ़ने एवं अन्य प्रकार के सीखने–सिखाने के अनुभवों को आनंददायी तथा रोचक बनाने की क्षमताओं को बढ़ावा दिया जाता है। इस दिशा में उनका आत्मविश्वास भी बढ़ाया जाता है।

भारत में रीडिंग फ़ॉर चिलड्रेन कार्यक्रम गुजरात तथा बिहार में लागू किया गया है। गुजरात में इस कार्यक्रम को आगा खान फाउंडेशन अपनी सहयोगी संस्था आगा खान एज़्यूकेशन सर्वीसिस, भारत के साथ मिल कर चला रही है। बिहार में फाउंडेशन की सहयोगी संस्था आगा खान ग्राम सर्मथन कार्यक्रम, भारत की सहायता से यह कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के लिए वित्तीय सहयोग मार्शल फाउण्डेशन द्वारा दिया गया है।

यह आलेख रीडिंग फ़ॉर चिल्ड्रेन के विचार को अधिक से अधिक अभिभावकों, स्वंय सेवी संस्थाओं, कार्यक्रम निर्माताओं, तथा बच्चों के लिए कार्य कर रहे लोगों तक पहुँचाने हेतु बनाया गया है। उम्मीद है कि इस समझ को एक मॉडल के रूप में बच्चों की पढ़ने में रूचि बढ़ाने एवं पारिवारिक संबंधों में मज़बूती लाने हेतु प्रयोग किया जा सकेगा।

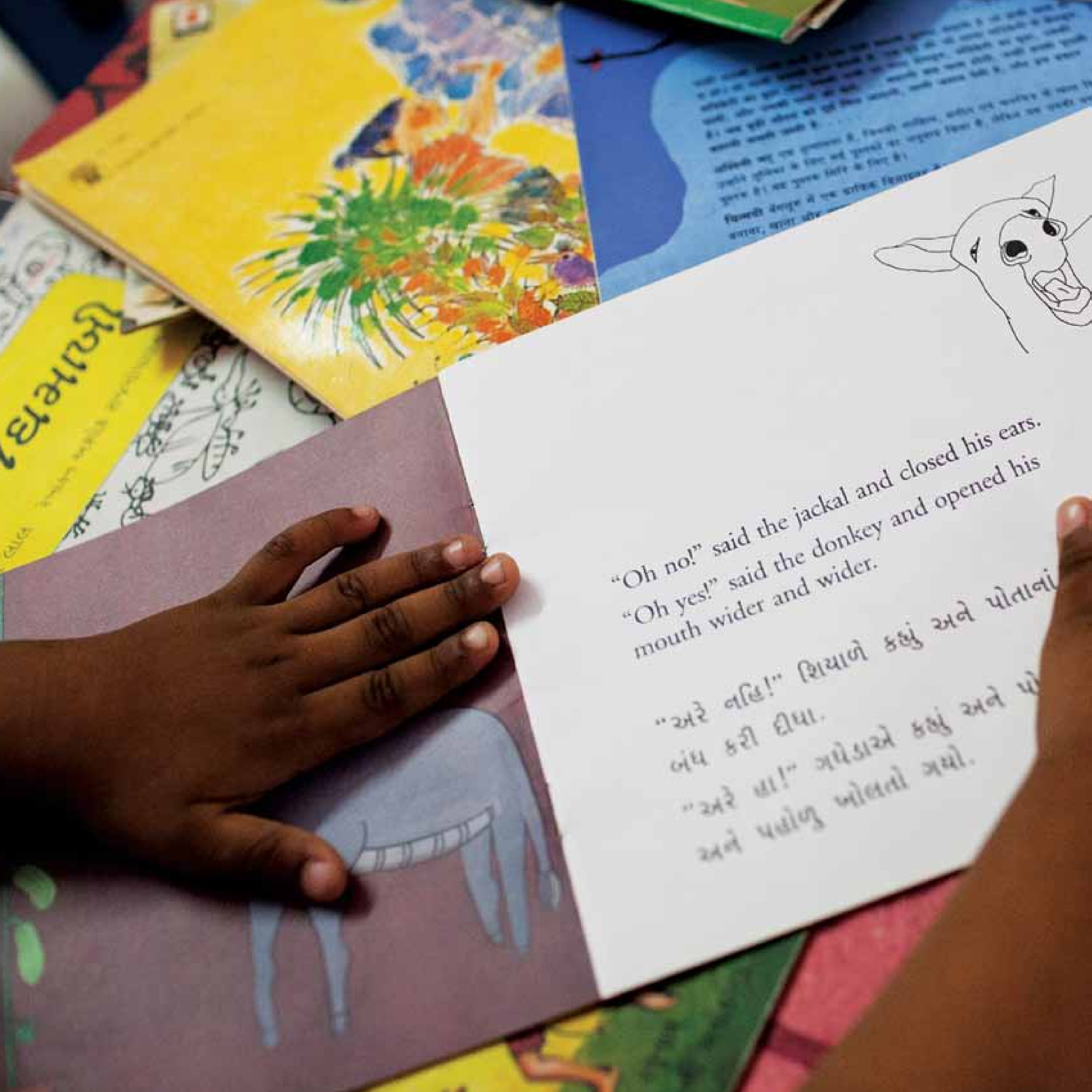
"Oh no!" said the jackal and closed his ears.
"Oh yes!" said the donkey and opened his
mouth wider and wider.
"અરે નહિ!" શિયાળે કહ્યું અને પોતાનાં
બંધ કરી દીધા.
"અરે હા!" ગધેડાએ કહ્યું અને
અને પહોળું ખોલતો ગયો.

Reading for Children provides communities with access to simple, colourful illustrated storybooks.

रीडिंग फ़ॉर चिलड्रेन कार्यक्रम सरल, रोचक, रंगीन एवं सचित्र कहानियों की किताबें समुदाय तक पहुंचाता है।

Reading and telling stories at an early age strengthens the interaction between children, parents and caregivers, and increases their confidence in their ability to support their children's development.

छोटे बच्चों को कहानियाँ पढ़कर सुनाने से अभिभावकों एवं बच्चों के बीच संबंध मज़बूत होते हैं। साथ ही अभिभावकों में अपने बच्चे के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने का आत्मविश्वास बढ़ता है।

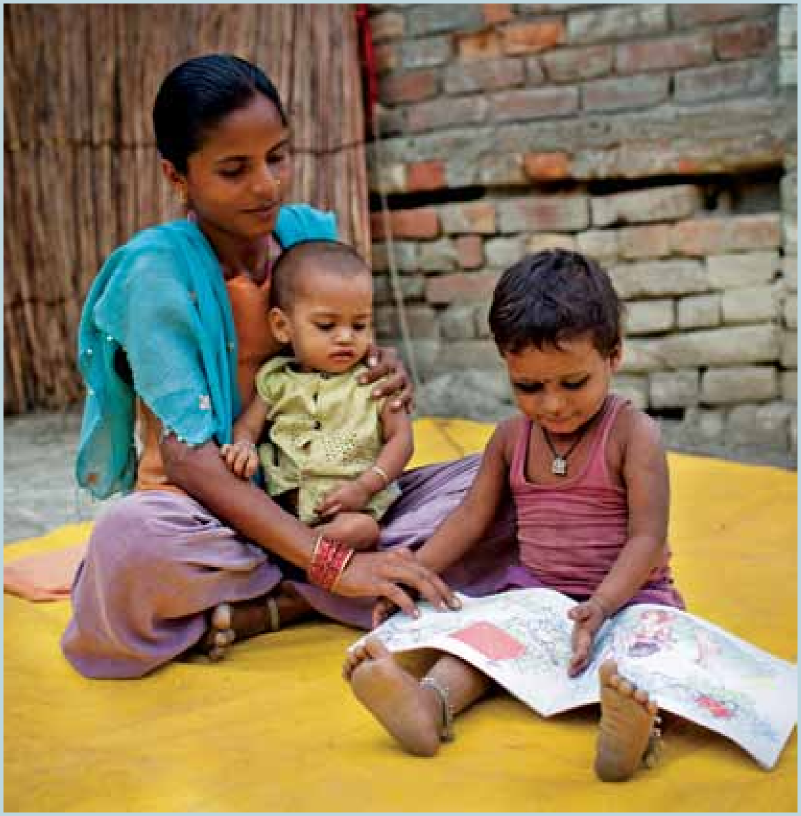

Building the capacities of parents and caregivers to read and tell stories to their children is an important component of the programme.

अभिभावकों में कहानी सुनाने और बच्चों को किताबें पढ़कर सुनाने की क्षमता का विकास करना इस कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

Parents and caregivers choose the type of books that are appropriate and interesting for their children.

अभिभावक अपने बच्चों की रूचि के अनुसार ऐसी किताबें चुनते हैं, जो उनके बच्चों के लिए उपयुक्त हैं।

Inclusion of fathers and other male members of the family is important for a child's development.

पिता तथा परिवार के अन्य पुरूष सदस्य जैसे बड़े भाई, दादा, नाना को इस प्रक्रिया में शामिल करना बच्चों के विकास के लिए ज़रूरी है।

Grandparents and other family members participate in the programme by reading books, narrating folks tales and visiting the libraries with their grandchildren.

बच्चों के दादा–दादी, नाना–नानी एवं परिवार के अन्य सदस्य, बच्चों के साथ पुस्तकालय जाकर, उनके लिए किताब पढ़कर तथा उन्हें पारम्परिक कहानियाँ सुनाकर कार्यक्रम में शामिल होते हैं।

Older siblings can read to younger ones to build a stronger relationship.

बड़े भाई–बहन अपने छोटे भाई–बहन को रोचक किताबें पढ़कर सुना सकते हैं। इससे उनके आपसी संबंध गहरे और मज़बूत बन सकते हैं।

The programme is beneficial for everyone, not just those who can read. Individuals with limited literacy skills can narrate stories to their children or use the pictures in the books to create their own version of the story.

इस कार्यक्रम का फ़ायदा पढ़े–लिखे और कम पढ़े–लिखे, सभी लोग उठा सकते हैं। कम पढ़े लिखे लोग अपने बच्चों को पारम्परिक कहानियाँ तथा लोक कथाएं सुना सकते हैं। वे चित्रों वाली किताबों में दिए गए चित्रों के आधार पर अपने मन से कहानी बनाकर भी सुना सकते हैं।

Reading and telling stories to children should begin at a very early age. Children can look at books on their own so that they can enjoy the illustrations and get a feel for books.

बच्चों को कहानियाँ सुनाना तथा किताबें पढ़कर सुनाना बहुत छोटी उम्र से शुरू कर देना चाहिए। छोटे बच्चे किताबें उलट–पलट कर देख सकते हैं तथा किताबों में दिए गए चित्रों का मज़ा ले सकते हैं।

Home visits by volunteers or programme staff keep motivation levels of beneficiaries high and provide them with assistance in reading strategies and choosing appropriate books when required.

कार्यक्रम से जुड़े कार्यकर्ताओं द्वारा घर–घर जाकर समुदाय के लोगों से मिलना, उनके मनोबल को बढ़ाता है। साथ ही घर जाकर मिलने से पढ़ने के तरीकों तथा सही किताबों के चयन में सहायता प्रदान की जाती है।

Reading for Children develops readiness for reading and school.

रीडिंग फ़ॉर चिलड्रेन बच्चों को पढ़ना सिखाने और स्कूल जाने के लिए मानसिक रूप से तैयार करता है।

"I read to my grandson regularly. We all enjoy story time. Sometimes the little girl who lives next door will walk into the house and join us." – A grandmother from Botad, Gujarat

"मैं अपने पोते को रोज़ किताब पढ़कर सुनाती हूँ। हम सबको कहानी सुनने–सुनाने में बहुत मज़ा आता है। कभी–कभी हमारे पड़ोस में रहने वाली छोटी बच्ची भी हमारे घर आकर कहानी सुनने सुनाने की प्रक्रिया से जुड़ जाती है।"– गुजरात (बोताड) की एक दादी

The shoemaker was happy to have so much money. That night, he decided to put out some pieces of leather for a third pair of shoes.
The Three Billy Goats Gruff
HOME

Book exhibitions are held to inform the community on the types of books available for children and on the benefits of reading. Exhibitions bring the community together and promote discussions to improve the quality of the programme.

पढ़ने के फ़ायदों और विभिन्न प्रकार की उपलब्ध किताबों के बारे में जानकारी देने के लिए समुदाय के स्तर पर किताबों की प्रदर्शनियाँ आयोजित की जाती हैं। इन प्रदर्शनियों के दौरान समुदाय के लोग इकट्‌ठा होते हैं और कार्यक्रम में सुधार लाने के लिए की गयी चर्चाओं में भी शामिल होते हैं।

Reading books and telling stories in the classroom engages children and fosters their development.

कक्षा में किताबें पढ़ना तथा कहानियाँ सुनाना बच्चों को सीखने सिखाने की प्रक्रिया से जोड़ता है तथा उनके विकास को बढ़ावा देता है।

Pramila Devi, an ECD Mother Teacher from the Boariya Passwan *tola* in Bihar tells a story to the children in her class using pictures from a book that was created by the Mother Teachers after they were trained to make resources using low-cost materials. She uses a lot of expression and actions while telling the story to the children, which keeps them engaged and involved. Pramila is passionate about working with small children and says that telling them stories at a very young age is important for them to do well in school. The children were excited as she told them the story and when she paused to ask questions, many of them called out the answers in excitement.

प्रमिला देवी, बोरिया पासवान टोला, बिहार के एक पूर्व प्राथमिक शिक्षण केन्द्र में माता शिक्षिका हैं। प्रमिला स्वंय द्वारा बनाई गई एक सचित्र किताब से बच्चों को कहानी सुनाती हैं। यह किताब उन्होंने कम खर्च से बनाये जा सकने वाली शिक्षण सामग्री के बारे में मिले प्रशिक्षण के बाद बनाई। वह खूब सारे हाव–भाव के साथ बच्चों को कहानी सुनाती हैं जिससे बच्चे एकदम ध्यान में डूबकर कहानी सुनते हैं। जब वे कहानी सुनाती हैं, तब सभी बच्चे खूब उत्साह से कहानी सुनते हैं। और जब वे प्रश्न पूछने के लिए बीच में रुक जाती हैं, तो कई बच्चे खुशी–खुशी जवाब देते हैं। प्रमिला को छोटे बच्चों के साथ काम करना बहुत अच्छा लगता है। वे मानती हैं कि छोटे बच्चों को कहानियाँ सुनाने से भविष्य में बच्चों की सीखने की क्षमता बढ़ती है।

The programme reinforces emerging literacy skills in primary school students.

यह कार्यक्रम प्राथमिकशाला के बच्चों में पढ़ना सीखने के कौशल को विकसित करता है।

"I like to read stories because I learn a lot. When I grow up, I want to become a doctor and it is important for me to know how to read."

– Nidhi Kumari, Naya *tola* in Muzaffarpur, Bihar

"मुझे कहानियाँ पढ़ना पसंद है क्योंकि इससे मैं बहुत कुछ सीखती हूँ। बड़ी होकर मैं एक डॉक्टर बनना चाहती हूँ। मेरे लिए पढ़ना सीखना बहुत जरूरी है।"

–निधि कुमारी, नया टोला मुज़फ्फरपुर, बिहार

Adults with limited literacy skills have opportunities to develop their skills.
अब कम पढ़े–लिखे व्यस्क लोगों के पास भी अपनी पढ़ने की क्षमता को विकसित करने का मौका है।

Photo Credits : Mansi Midha, Design & Print : Naveen Printers

Aga Khan Rural Support Programme (India)

Aga Khan Education Services